web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 23 सितंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 354

महत्वपूर्ण एवं खास

कार गोदाम में आग लगने से 16 चार पहिया वाहन जलकर राख, दो करोड़ से अधिक का हुआ नुकसान

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रयागराज में शुक्रवार को मारुति सुजुकी के गोदाम में एक हाई-टेंशन तार टूटकर गिर गया, जिससे आग लग गई। इसमें 16 वाहन जलकर राख हो गए, जिनकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। घटना झूंसी के अंदावा में हुई। कारों में लगे सीएनजी सिलेंडर फटने से विस्फोट हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी आर के पांडे ने बताया कि आग बुझाने के लिए फूलपुर, सोरांव हंडिया, नैनी और सिविल लाइंस से सात दमकल गाडिय़ां बुलाई गई। उन्होंने कहा, गैराज में 400 गाडिय़ां खड़ी थीं। आग बुझाने में दो घंटे से ज्यादा का समय लग गया। कंपनी ने विभाग से कोई एनओसी नहीं ली थी। अब उन पर जुर्माना लगाया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत 24 तक बढ़ाई

विजयवाड़ा (आरएनएस)। विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने शुक्रवार को कथित कौशल विकास निगम घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ा दी। नायडू की हिरासत शुक्रवार को समाप्त होने के साथ, उन्हें राजमुंदरी सेंट्रल जेल से न्यायाधीश के सामने पेश किया गया। जज हिमा बिंदू ने हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी। जब न्यायाधीश ने उनकी हिरासत के लिए सीआईडी की याचिका पर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख के विचार जानना चाहा, तो उन्होंने न्यायाधीश से कहा कि उनकी गिरफ्तारी अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उन्हें जेल में रखकर मानसिक यातना दी जा रही है और उन्होंने उनसे अपने अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बिना किसी नोटिस के और केवल आरोपों के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। नायडू ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके 45 साल के लंबे राजनीतिक करियर और उनके मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य में किये गये विकास के बावजूद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जज ने उन्हें बताया कि वह न्यायिक हिरासत में हैं और जेल में दी जा रही सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। अदालत इस मामले में आगे की पूछताछ के लिए नायडू की पांच दिन की हिरासत के लिए अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की याचिका पर बाद में आदेश सुना सकती है। सीआईडी ने नायडू को मुख्यमंत्री रहते हुए हुए कथित घोटाले में 9 सितंबर को गिरफ्तार किया था। अगले दिन विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने उन्हें 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बाद में उन्हें राजमुंदरी सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री ने केबिन क्रू से किया दुर्व्यवहार, आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (आरएनएस)। बेंगलुरु हवाईअड्डे से उड़ान भरते समय केबिन क्रू के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद एक यात्री को एयर इंडिया एक्सप्रेस की गोवा जाने वाली उड़ान से उतार दिया गया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, बेंगलुरु से गोवा की उड़ान में चढ़ते समय एक यात्री ने हमारे केबिन क्रू के साथ अनुचित व्यवहार किया। उसे तुरंत उतार दिया गया और बेंगलुरु हवाईअड्डा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। प्रवक्ता ने कहा, हमने अपनी विघटनकारी यात्री प्रबंधन नीति और यात्रियों और एयरलाइन कर्मियों की सुरक्षा और आराम से संबंधित प्रासंगिक नियमों के अनुसार कार्रवाई भी शुरू की है। हम अपने मेहमानों और चालक दल की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता देते हैं। हम अपनी उड़ानों पर विघटनकारी आचरण के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण रखते है। यह घटना चेन्नई जाने वाली इंडिगो की उड़ान से पहले एक यात्री द्वारा आपातकालीन निकास द्वार के कवर को खोलने का प्रयास करने के कुछ दिनों बाद हुई है, इससे साथी यात्रियों के बीच घबराहट की स्थिति पैदा हो गई थी। यह घटना बुधवार तडक़े दिल्ली से चेन्नई जा रही एक उड़ान में सामने आई थी। यात्री की पहचान मणिकंदन के रूप में हुई। उसे विमान के चेन्नई पहुंचने पर चालक दल द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया गया।

छत्तीसगढ़ में हुई बच की खेती की शुरूआत : किसानों को होगी प्रति एकड़ में एक लाख से भी अधिक आय

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में किसानों द्वारा बच की खेती की शुरूआत हो गई है, जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वनमंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की पहल से संभव हुई है। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 108 एकड़ में प्रायोगिक तौर पर बच की खेती की जा रही है, जिससे प्रति एकड़ 80 हजार रूपए से 1.00 लाख रूपए तक आय की प्राप्ति किसानों को होगी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि बच उत्पादन से धान की अपेक्षा किसानों की आय में कई गुना वृद्धि की संभावना है।

इस तारतम्य में मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड जे. ए. सी. एस. राव ने जानकारी दी कि बच एक औषधीय पौधा है, बेंगलोर के टूंकूर गांव के किसानों ने इसकी खेती में आने वाले समस्याओं के कारण इसका कृषिकरण कम कर दी है तो छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमा पर बसे पेण्ड्रा जिले के गांव तथा खटोला, अनवरपुर, तुपकबोरा, मुरली और तेन्दुपारा के किसानों बच की खेती की विधि सीख ली है। इन्हें बोर्ड द्वारा नि:शुल्क औषधीय पौधे एवं मार्गदर्शन मिला है। इधर महासमुंद जिले के बागबाहरा, तेन्दुकोना क्षेत्र के ओमकारबंध के किसानों ने भी बच के कृषिकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब तक लगभग छत्तीसगढ़ के 108 एकड़ से भी अधिक क्षेत्र में बच की खेती की जा रही हैं। किसानों द्वारा सकारात्मक रूप से बच को अपनाया जा रहा है, क्योंकि बहुत ही कम लागत में बच की खेती से अधिक लाभ की संभावना है।

बच की खेती के लिए बैंगलोर का एक गांव टूंकूर देश में प्रथम स्थान पर था। वहां इस औषधीय पौधे की व्यावसायिक खेती 3 से 4 हजार एकड़ में विस्तृत रूप से की जाती थी लेकिन यहां बच के कृषिकरण में किसानों को मजदूरी दर ज्यादा होने के कारण व पानी की समस्या एवं अन्य समस्याओं के कारण बच की खेती सिमट कर 106 एकड़ में आ गई है।

बच कृषिकरण तकनीक

बच को धान के फसल के समान ही वानिकी खेती के रूप में अपनाया जा सकता है 1 इसकी बुआई धान के फसल के समान जुलाई से सितंबर माह तक की जाती है। एक एकड़ में रोपण हेतु 25 से 30 हजार पौधे की आवश्यकता होती है। इसकी फसल 8 से 9 माह में तैयार हो जाती है। फसल की कटाई अप्रैल से जून माह के मध्य किया जाता है। एक एकड़ से लगभग 1 से 3 टन तक उपज का उत्पादन संभावित होती है। बच की वर्तमान बाजार कीमत 50 से 60 रु प्रति किग्रा तक होती है। इस हिसाब से किसानों को एक एकड़ में 1 लाख से भी अधिक आय प्राप्त होती है।

प्रसंस्करण की विधि

बच के प्रकंद के 3 से 4 इंच के टुकड़ों में काटकर आशिक छाया क्षेत्र में सूखा लिया जाता है। इसके पश्चात् इसकी पालिशिंग मशीन से कराई जाती है, जिससे उत्पाद बाजार में विक्रय हेतु तैयार हो जाता है। बोर्ड द्वारा मार्केटिंग हेतु भी सुविधा प्रदाय की जाती है। जिससे किसानों को 15 दिनों में ही उपज का पैसा प्राप्त हो जाता है।

रोपण सामग्री की उपलब्धता

बच की खेती करने के लिए बच की पौधे की चिता की आवश्यकता नही है। पहले वर्ष रोपित किये जाने वाले पौधे राज्य शासन की योजना अंतर्गत बोर्ड के माध्यम से नि:शुल्क प्रदाय किया जाता है। प्रथम वर्ष में आवश्यकतानुसार 10 से 15 प्रतिशत पौधों को छोड़ दिया जाता है, जो कि 40 दिन में फिर से पौधा तैयार हो जाता है, जिसे रोपण सामग्री नर्सरी के रूप में अगले वर्ष रोपण के लिए उपयोग किया जाता है। शेष का संग्राहण कर लिया जाता है। इस प्रकार प्रत्येक वर्ष रोपित किये जाने वाले पौधों की उपलब्धता बनी रहती है।

बच को छत्तीसगढ़ी में घोड़बंध या भूतनाशक के नाम से भी जाना जाता है। जिसका उपयोग त्वचा रोग, न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर, पेट संबंधी बिमारी एवं हृदय रोग संबंधी दवाई बनाई जाती है। इसे कई रोगों में उपयोग किये जाने के कारण इसकी बाजार मांग अत्यधिक है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि में वैज्ञानिक सर्वे की मांग की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

मथुरा (आरएनएस)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद विवाद पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद-कृष्ण जन्मभूमि स्थल मथुरा के ज्ञानवापी की तर्ज पर साइंटिफिक सर्वे का निर्देश देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से मस्जिद के सर्वेक्षण पर फैसला लेने को कहा।

विवादित मस्जिद के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग को लेकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट द्वारा याचिका दायर की गई थी। याचिका कर्ता ने अनुरोध किया था कि ज्ञानवापी सर्वेक्षण की तरह इस स्थल का भी सर्वेक्षण हो जिससे इस स्थल के ऐतिहासिक और स्थापत्य महत्व का पता लग जाएगा।

क्या है विवाद-

बता दें कि काशी और मथुरा का विवाद भी कुछ-कुछ अयोध्या की तरह ही है। हिंदुओं का दावा है कि काशी और मथुरा में औरंगजेब ने मंदिर तुड़वाकर वहां मस्जिद बनवाई थी। औरंगजेब ने 1669 में काशी में विश्वनाथ मंदिर तुड़वाया था और 1670 में मथुरा में भगवा केशवदेव का मंदिर तोडऩे का फरमान जारी किया था इसके बाद काशी में ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद बना दी गई। मथुरा का ये विवाद कुल 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक से जुड़ा है। हिंदू पक्ष की ओर से शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने और ये जमीन भी श्रीकृष्ण जन्मस्थान को देने की मांग की गई है।

सुप्रीमकोर्ट का बड़ा फैसला : दिल्ली में पटाखों पर रहेगा प्रतिबंध, बाकी राज्यों में चला सकेंगे ग्रीन पटाखे

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में दिवाली पर पटाखे जलाने का इंतजार कर रहे लोगों को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर दिल्ली में पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के दिल्ली सरकार के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने इसी के साथ बेरियम का उपयोग कर पटाखों के निर्माण और उपयोग की मांग वाली याचिका भी खारिज कर दी है। केंद्र सरकार और पटाखा निर्माताओं ने इन पटाखों के निर्माण और बिक्री की प्रक्रिया की जानकारी दी थी। दोनों ने इनके निर्माण को मंजूरी का अनुरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने नामंजूर कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 'हैप्पी दिवाली।' सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक दिल्ली- को छोडक़र देश भर में बाकी जगहों पर ग्रीन पटाखों के उपयोग की इजाजत होगी। हर तरह के पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। पटाखों में लडिय़ों, रॉकेट आदि पटाखों पर बैन बरकरार रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश भर की एजेंसियां इस आदेशों का पालन करें।

आपको बता दें कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने हाल ही में राज्य में पटाखों के निर्माण, बिक्री और जमाखोरी पर बैन लगाया था। कोर्ट ने इससे पहले भी कहा था कि लोगों का स्वास्थ्य जरूरी है, न कि पटाखे जलाने। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकार ने जो फैसला लिया है उसका कड़े तरीके से पालन होना चाहिए।

बीएसएफ ने तस्करी की कोशिश को किया नाकाम, मैत्री एक्सप्रेस से 1.5 करोड़ का सामान जब्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। बीएसएफ ने रेलवे सुरक्षा बल के साथ एक संयुक्त अभियान के दौरान गेडे रेलवे स्टेशन पर कोलकाता और ढाका के बीच चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय मैत्री एक्सप्रेस ट्रेन से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। टीम ने उनके पास से 1.5 करोड़ रुपये के कॉस्मेटिक सामान जब्त किया है।

बीएसएफ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। संयुक्त अभियान 20 सितंबर को शुरू किया गया था। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा, दो भारतीय यात्रियों, जिनकी पहचान अख्तर खान और अब्दुल हलीम के रूप में हुई है। दोनों को कीमती मोबाइल फोन और अन्य वस्तुओं के साथ पकड़ा गया है।

जवानों ने दोनों यात्रियों के कब्जे से 83 स्मार्टफोन, 26 मोबाइल एडॉप्टर, 48 डेटा केबल, 64 साडिय़ां और 10 किलो चावल जब्त किए हैं। इन सभी की अनुमानित कीमत 17,52,640 रुपये है।

हिरासत में लिए गए यात्रियों ने खुलासा किया कि उन्होंने ये सामान कोलकाता के न्यू मार्केट से खरीदा था और आसानी से पैसा कमाने के लिए इन्हें मैत्री एक्सप्रेस से बांग्लादेश ले जा रहे थे।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि बांग्लादेश पहुंचने पर उनका इरादा बांग्लादेश के ढाका निवासी मोहम्मद रतुल को माल पहुंचाने का था, जिसके लिए उन्हें प्रत्येक से 3,000 रुपये मिलने थे। हालांकि, सतर्क बीएसएफ जवानों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। पकड़े गए यात्रियों और जब्त किए गए सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बानपुर में सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया गया।

दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु में शुक्रवार को एक सडक़ दुर्घटना में बी.एम.डब्ल्यू. बाइक पर तेज रफ्तार से जा रहे 2 युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह साढ़े 3 बजे यशवंतपुर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। मनमोहन (31) और निखिल (25) कथित तौर पर नशे की हालत में थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद यशवंतपुर से आरएमसी यार्ड रोड की ओर जा रहे थे। तेज रफ्तार के कारण उन्होंने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वाहन एक खंभे से टकरा गया। पुलिस ने कहा कि दोनों हवा में उछल गए और हेलमेट नहीं पहनने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शवों को एम.एस. रमैया अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गणेशोत्सव में साड़ी पहनने से रोकना परिवार को पड़ा महंगा, 13 वर्षीय बच्ची ने की आत्महत्या

पुणे (आरएनएस)। पुणे के एक परिवार पर तब दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब उन्होंने अपनी 13 वर्षीय बेटी को गणेशोत्सव के दिन साड़ी पहनने से रोक दिया, जिससे आहत होकर बच्ची ने आत्महत्या कर ली। गणेश चतुर्थी के दिन (19 सितंबर) जब 13 वर्षीय लडक़ी सुष्मिता पी. प्रधान ने कथित तौर पर गुस्सा दिखाया और साड़ी पहनकर भगवान गणेश का स्वागत करने पर जोर दिया।

हालांकि, उसकी मां ने उसकी इच्छा पूरी करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद गुस्साई लडक़ी ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो लडक़ी की बड़ी बहन ने बाथरूम का दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

उन्होंने खिडक़ी से अंदर झांका तो देखा कि सुष्मिता बाथरूम में दुपट्टे से लटकी हुई है, जिसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया। प्रधान परिवार उसे एक स्थानीय अस्पताल ले गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया, जिससे इस शुभ दिन पर पूरे मोहल्ले में शोक छा गया।

जांच अधिकारी एएसआई आशीष जाधव ने कहा कि देहु रोड पुलिस स्टेशन ने आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और जांच कर रही है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सुष्मिता को उसके दोस्त एक जिंदादिल, मिलनसार और खुशमिजाज लडक़ी बताते थे, वह पुणे के देहु रोड इलाके में श्री शिवाजी विद्यालय में सातवीं कक्षा की छात्रा थी।

अब मोबाइल एप से खरीदें ट्रेन की जनरल टिकट, लाईन लगाने की समस्या खत्म

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्री सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है । इस शृंखला में ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा के बाद मोबाइल से ऐप द्वारा जनरल टिकट खरीदने की सुविधा यात्रियों को दी गई है । इस सुविधा से यात्रियों को स्टेशन पर आकार टिकट काउंटर से लाइन में खड़े होकर टिकट खरीदने की बाध्यता समाप्त हो गई है । इस यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप को यात्रियो का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है एवं दिनों-दिन इस सुविधा के उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है । यात्रियों को टिकट काउण्टरों में लगने वाली लाइनों से निजात दिलाने, शीघ्र टिकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घर बैठे यात्रा टिकट बुकिंग के साथ साथ सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है । यात्री अपने मोबाइल पर इस ऐप को डाउनलोड करके घर बैठे आसानी के साथ त्वरित अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते हैं । इस मोबाइल ऐप के माध्यम से प्लेटफॉर्म टिकट भी प्राप्त किये जा सकते हैं । उल्लेखनीय है कि स्टेशन से दूर रहने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसके दायरे को बढ़ाकर 25 किमी भी कर दिया गया है, अर्थात यात्रीगण स्टेशन से 25 किमी की दूरी से भी इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते हैं । इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल' 2023 से सितंबर' 2023 तक कुल आरक्षित टिकटों की बूकिंग में 80 प्रतिशत से भी अधिक मोबाइल टिकटिंग से बुक किए गए । इसी प्रकार इसी समान अवधि में लगभग 15 लाख से भी अधिक रेल यात्रियों ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के द्वारा अनारक्षित टिकट की खरीदी कर यात्रा की ।

रेलवे प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि त्वरित घर बैठे आसानी से इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने की इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठावें ।

यूटीएस मोबाइल ऐप द्वारा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने के तरीके -

गूगल प्ले स्टोर, एप्पल स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें तथा रजिस्ट्रेशन हेतु साइन अप करें ।

लॉगिन आई.डी. मोबाइल नं. रजिस्टर्ड करें तथा मेसेज के द्वारा प्राप्त चार अंकों के पासवर्ड का उपयोग करें ।

टिकटों के प्रकार का चयन करें। (यात्रा टिकट, सीजन टिकट, प्लेटफार्म टिकट तथा यात्रियों की संख्या)

टिकट के भुगतान हेतु डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यू.पी.आई जैसे पेटीएम, गूगल-पे, फोन पे आदि अथवा यू.टी.एस. काउण्टर द्वारा रिचार्ज किया जा सकता है ।

डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यू.पी.आई द्वारा भी भुगतान किया जा सकता है । हमारे देश में भारतीय रेल को सस्ता, सुगम, सुरक्षित, एवं आरामदायक यात्रा के लिए पहचान मिला है । रेल यात्रियों के द्वारा परिवहन के साधन के रूप में भारतीय रेल पर सर्वाधिक विश्वास और भरोसा है और इस विश्वास को रेल द्वारा भी पर्याप्त सम्मान दी जाती है । यात्रियों द्वारा जताये गए इस विश्वास पर रेलवे कई दशको से खरा उतर रही है । नवीन तकनीको को निरंतर अपना कर भारतीय रेलवे अपने यात्रियों की हर सुख सुविधा का ख्याल रखती आ रही है । यही कारण है कि भारतीय रेलवे को आज देश की जीवन रेखा कहा जाता है । यात्री सुविधाओं में डिजिटलीकरण का समावेश हमेशा से रेलवे का लक्ष्य रहा है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सभी यात्रियों से अनुरोध करती है कि वे यात्रा टिकटों की खरीदी के लिए इन सुविधाओं का उपयोग कर अपनी यात्रा को सुगम बनाएं ।